सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 210 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 7 सितम्बर, 2026
मूल्य ₹ 3/-

अकेले हम कितना कम हासिल कर सकते हैं, साथ में कितना ज्यादा।

-हेलेन केलर

मेरठ मावरिक्स बना यूपी टी-20... 7 | खरगे 'शुद्धिकरण' मामले में भाजपा... 3 | पराया धन कैसे अपना बनाया जाता... 2

छात्र मलबे में, पत्रकार थाने में यही है वर्ल्ड क्लास दिल्ली

दिल्ली विवि के साउथ कैंपस में पीजी हास्टल की बिल्डिंग गिरी, 6 की मौत

» कुछ दिनों पहले छात्रों के आंदोलन में इन्ही समस्याओं पर तो ध्यान देने की मांग की गयी थी

» सरकार ने छात्रों को बता दिया था अपराधी, 4PM के सवाल पूछने पर पत्रकारों को पुलिस उठा ले गयी थाने

» क्या सरकार की जिम्मेदारी सिर्फ मलबा हटाने और एफआईआर दर्ज करने तक है

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली को वर्ल्ड क्लास बनाने का शोर है विकास के दावे हैं चमकती राजधानी के सपने हैं और सरकार के पास उपलब्धियों की लंबी फेहरिस्त है। लेकिन इन तमाम दावों के बीच दक्षिणी दिल्ली का सत्य निकेतन सरकारी विकास माडल का वह सच बनकर सामने खड़ा है जिसे किसी विज्ञापन के होर्डिंग से ढका नहीं जा सकता।

पांच मंजिल की इमारत भरभराकर गिरती है मलबे में दबकर छह लोगों की मौत हो जाती है 11 लोग घायल होकर अस्पताल पहुंचते हैं और कई लोगों के अभी भी मलबे में दबे होने की आशंका बनी रहती है। सवाल सिर्फ यह नहीं कि इमारत क्यों गिरी सवाल यह है कि दिल्ली को वर्ल्ड क्लास बनाने वाली सरकार की नजर इस इमारत पर उसके गिरने से पहले क्यों नहीं पड़ी? करीब 40-50 साल पुरानी इमारत छात्रों के पीजी के तौर पर इस्तेमाल हो रही थी। तहखाने में मरम्मत का काम चल रहा था। बारिश को हादसे की वजहों में से एक माना जा रहा है। अब मजिस्ट्रेट जांच होगी मालिक के खिलाफ एफआईआर होगी दोषियों को कड़ी सजा देने का ऐलान होगा। यानी हादसा हो चुका है छह जिंदगियां जा चुकी हैं और अब सरकारी मशीनरी जाग गई है लेकिन दिल्ली पूछ रही है कि सरकार की निगरानी व्यवस्था हादसे के बाद ही क्यों जागती है?

घरों में मातम और जांच के आदेश

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मौके पर पहुंचकर जांच और कार्रवाई के आदेश दे दिए हैं। यह जरूरी भी है। लेकिन असली सवाल उस कार्रवाई के बाद शुरू होता है। अगर नियम कानून नगर निगम प्रशासन और निगरानी का पूरा तंत्र मौजूद था तो फिर एक ऐसी इमारत छात्रों के रहने के लिए कैसे चलती रही जिसके ढहने के बाद छह परिवारों के घरों में मातम है। क्या सरकार की जिम्मेदारी सिर्फ मलबा हटाने और एफआईआर दर्ज करने तक है या उन खतरनाक इमारतों को पहले पहचानना भी उसकी जिम्मेदारी है जिनमें दिल्ली के हजारों छात्र और आम नागरिक अपनी जान जोखिम में डालकर रह रहे हैं?

सिर्फ इमारत का मलबा नहीं है विकास के दावों का मलबा है यह

सत्य निकेतन का मलबा इसलिए सिर्फ एक इमारत का मलबा नहीं है। यह दिल्ली के विकास के उन दावों पर पड़ा मलबा है जिसके नीचे सरकारी निगरानी जवाबदेही और प्राथमिकताओं के सवाल दबे हुए हैं। मोदी सरकार की राजधानी को विश्वस्तरीय बनाने की महत्वाकांक्षा हो या दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार के विकास के दावे दोनों के सामने अब एक सीधा सवाल है अगर दिल्ली वर्ल्ड क्लास है तो उसके छात्रों की जिंदगी इतनी सस्ती क्यों है?

पिछले दिनों छात्रों के सवाल सड़क पर थे

सत्य निकेतन को दिल्ली की मौजूदा राजनीति से अलग करके देखना भी मुश्किल है। पिछले दिनों छात्रों के सवाल सड़क पर थे। छात्र अपनी समस्याओं और सुरक्षा को लेकर आंदोलन कर रहे थे। दूसरी तरफ सरकार के सामने पत्रकार सवाल लेकर खड़े थे। लेकिन इन दोनों घटनाओं में एक विचित्र समानता दिखाई देती है सवाल सामने आते ही समाधान की जगह पुलिस और प्रशासन का पहरा नजर आता है। छात्र पूछते हैं तो आंदोलन और हिरासत की खबरें आती हैं पत्रकार सवाल करते हैं तो उनके पुलिस कार्रवाई और उत्पीड़न के आरोप सामने आते हैं। लोकतंत्र में सवालों का जवाब सत्ता देगी या वर्दी?

जनता जांच नहीं कार्रवाई चाहती है

छह मौतों के बाद जांच का ऐलान जरूरी है, लेकिन जनता अब सिर्फ जांच नहीं चाहती। जनता जानना चाहती है कि वह कौन सी व्यवस्था थी जिसने हादसे से पहले आंखें बंद रखीं और हादसे के बाद कार्रवाई का चश्मा पहन लिया? यही सत्य निकेतन की असली कहानी है। सवाल यह नहीं कि इमारत कैसे गिरी। सवाल यह है कि सरकार की प्राथमिकताओं में नागरिक की जान ऊपर है या सत्ता की छवि?

पराया धन कैसे अपना बनाया जाता है, भाजपा से बेहतर कोई नहीं जानता : अखिलेश यादव

» भाजपा प्रभारी तावड़े के बयान पर बवाल, सपा ने भाजपा को घेरा

» पीडीए तंज पर सपा प्रमुख का तीखा पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीजेपी के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले को पराया धन बताने पर सियासी रारम मच गई है। सपा आरे भाजपा इ मुददे पर एकदूसरे पर आक्र ामक हो गए ह। बातदें उत्तर प्रदेश की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और समाजवादी पार्टी (सपा) के बीच जुबानी जंग चरम पर पहुंच गई है।

भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े द्वारा सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले को पराया धन अपना बताए जाने पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने करारा हमला बोला है। बिधूना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि पराया धन कैसे अपना बनाया जाता है, यह भाजपा से बेहतर कोई नहीं जानता। ये सभी पराये धन वाले लोग हैं, जो भाजपा में भरे पड़े हैं। विनोद तावड़े पर तंज कसते हुए सपा प्रमुख ने कहा, प्रभारी जी आए हैं, अच्छी बात है। पी से प्रभारी भी होता है और पी से पी.ए.जी.ए.एल. भी होता है।

कई राजनीतिक दल जिनका कोई लेना-देना नहीं उनके खाते में आए कारोड़ों

सपा मुख्यालय से जारी एक बयान के मुताबिक तावड़े को लेकर एक सवाल के जवाब में अखिलेश यादव ने कहा, खबर चल रही है कि कई राजनीतिक दल जिनका कोई लेना-देना नहीं है, उनके खाते में कई सौ करोड़ रुपया आया है। सब पराया धन वाले लोग है।

भाजपा के लोग पार्टी का धन भी अपना बनाना जानते हैं

अखिलेश यादव ने यहां बिधूना में पत्रकारों से कहा, 'पराया धन ही अपना नहीं है, वे पार्टी का धन भी अपना बनाना जानते हैं। पराया धन कैसे अपना बनाया जाता है, यह भाजपा से बेहतर कौन जानता है। ये सभी पराये धन वाले लोग हैं, जो भाजपा में हैं।' भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने शनिवार को सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले पर निशाना साधते हुए कहा था कि सपा के पीडीए का मतलब पराया, धन, अपना है। उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाए जाने के बाद पहली बार प्रदेश पहुंचे तावड़े ने पत्रकारों से बातचीत में यह टिप्पणी की थी।

गठबंधन की सरकार बनाने जा रही है सपा

यादव ने कहा, समाजवादी पार्टी और हमारा जो गठबंधन पहले से है, वह सरकार बनाने जा रहा है। इसीलिए भाजपा वाले अपना सामान समेटने और लूटने में लग गए हैं। उन्होंने प्रदेश सरकार पर हमला करते हुए कहा कि डॉ. राम मनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण और नेताजी (मुलायम सिंह यादव) ने समाजवादी समाज और समाजवादी विचारधारा को मजबूत करने के लिए काम किया लेकिन प्रदेश सरकार ने जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र (जेपीएनआईसी) को बेच दिया।

हमारे संत थोड़े अलग हैं, वह झूठ के अलावा कुछ नहीं बोलते

अखिलेश ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर टिप्पणी करते हुए कहा, संत से बड़ा सच बोलने वाला कोई नहीं होता, लेकिन हमारे संत थोड़े अलग हैं, वह झूठ के अलावा कुछ नहीं बोलते। उन्होंने सहारनपुर में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद गिराए जाने के मामले पर सरकार की आलोचना करते हुए कहा, जब नौकरी नहीं दे पा रहे हैं और महंगाई नहीं रोक पा रहे हैं, इसलिए इन्होंने सहारनपुर में मस्जिद गिराने का काम किया। इसमें शामिल लोगों को कानून सजा देगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, हमारा समाज तब मजबूत होगा, जब हम दूसरे धर्मों का सम्मान करेंगे। एक सच्चा सनातनी और सच्चा हिंदू कभी दूसरे का अपमान नहीं कर सकता।

लोगों को अदालत जाने को मौका दें

सहारनपुर के कलेक्ट्रेट परिसर में सरकारी जमीन पर बनी मस्जिद को शनिवार तड़के प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया था। सहारनपुर के पुलिस उपमहानिरीक्षक अभिषेक सिंह ने बताया था कि सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत द्वारा इसे अवैध घोषित किए जाने के बाद प्रशासन ने कार्रवाई की। सपा प्रमुख ने सवाल उठाते हुए कहा अगर किसी को दूसरी अदालत में जाने का मौका नहीं देंगे और 12 घंटे में कार्रवाई कर देंगे तो न्याय कैसे मिलेगा? उन्होंने कहा कि सहारनपुर में मस्जिद गिराने की क्या जल्दी थी, अगर मस्जिद के पक्षकार न्याय के लिए उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय चले जाते तो क्या दिक्कत हो जाती? प्रशासन द्वारा मस्जिद गिराने से लोग दुःखी है, चुप हैं और यही सब लोग मिलकर सांप्रदायिक भाजपा को हटाने का काम करेंगे।

विद्यालय बंद होने से गरीब बच्चों के लिए समस्या

शिक्षक दिवस के अवसर पर लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एंड कॉलेजेज की ओर से गोमती नगर शाखा स्थित श्री रामलाल मेमोरियल ऑडिटोरियम में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। शिक्षकों को सम्मानित किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री व कन्नौज सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में विद्यालयों के बंद होने से विशेष रूप से गरीब और वंचित परिवारों के बच्चों के लिए शिक्षा प्राप्त करना कठिन होता जा रहा है। शिक्षा समाज के हर वर्ग तक पहुंचनी चाहिए। लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एंड कॉलेजेज के संस्थापक एवं चेयरमैन सांसद डॉ. एसपी सिंह, एमडी सुशील कुमार, मुख्य प्रशासिका कांति सिंह (पूर्व एमएलसी), जनरल मैनेजर्स हर्षित सिंह और शिखर पाल सिंह, डायरेक्टर्स नेहा सिंह, गरिमा सिंह एवं निकिता सिंह सहित सभी शिक्षक मौजूद रहे।

विपक्ष मुझे बदनाम करने की साजिश कर रहा : मान

» सीएम बोले-पंजाब को फिर लूटने की ताक में सभी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बठिंडा में विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि विरोधी नेता उन्हें बदनाम करने और राज्य के खजाने को फिर से लूटने का मौका तलाश रहे हैं। उन्होंने भाजपा और शिअद के संभावित गठबंधन पर तंज कसा और कांग्रेस की अंदरूनी कलह पर भी सवाल उठाए।

मान ने दावा किया कि उनकी सरकार जनकल्याण पर लगातार धन खर्च कर रही है।बठिंडा, छह सितंबर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को विपक्षी नेताओं पर उन्हें बदनाम करने की कोशिश करने और ''वर्षों तक अपना खजाना भरने के बाद एक बार फिर पंजाब को लूटने'' का मौका तलाशने का आरोप लगाया। बठिंडा के घुड्डा गांव में 'लोक मिलनी' कार्यक्रम के दौरान उन्होंने दावा किया कि विपक्ष इस बात से परेशान है कि उनकी सरकार लोगों के कल्याण पर पैसा खर्च कर रही है। भाजपा और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) पर निशाना साधते हुए मान ने कहा कि दोनों पूर्व सहयोगी एक बार फिर गठबंधन की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ नेता मोदी कोटे से हैं और कुछ राहुल गांधी कोटे से, जबकि वह अकेले जनता के कोटे से हैं। मान ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों का पंजाब और उसके लोगों के खिलाफ काम करने का संदिग्ध रिकॉर्ड रहा है और उनके कृत्यों को कभी माफ नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी), सतलुज यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर, हरिके नहर, गणतंत्र दिवस की झांकियों, ग्रामीण विकास कोष (आरडीएफ) और सीमावर्ती क्षेत्र के कोष जैसे मुद्दों पर भाजपा ने हमेशा पंजाब के साथ अन्याय किया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि काले कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान शहीद हुए पंजाब के 700 से अधिक किसानों के खून से भाजपा के हाथ रंगे हैं और पंजाब की जनता इसे कभी नहीं भूलेगी। कांग्रेस के रिकॉर्ड की याद दिलाते हुए उन्होंने कहा कि इसी पार्टी ने श्री अकाल तख्त साहिब में टैंक भेजे थे। मान ने आरोप लगाया कि पंजाब में सत्ता में रहते हुए कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में फैले नशे के खतरे को रोकने के लिए कुछ नहीं किया और बेअदबी की घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाने में भी विफल रही। शिअद पर निशाना साधते हुए मान ने कहा कि अकाली दल सत्ता में लौटने के लिए भाजपा के साथ गठबंधन की भीख मांग रहा है और इस गठबंधन के पीछे न कोई विचारधारा है, न पंजाब के लिए दृष्टिकोण और न ही लोगों की चिंता।

मायावती ने छोटे भतीजे ईशान को बनाया बसपा का मुख्य सेक्टर प्रभारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने बड़ा फैसला लेते हुए अपने छोटे भतीजे ईशान आनंद को पार्टी का मुख्य सेक्टर प्रभारी बना दिया है। ईशान, आकाश आनंद के छोटे भाई हैं। चर्चा है कि आकाश को किनारे कर अब ईशान को आगे किया जा रहा है। इस बीच आकाश आनंद ने भी अपने एक्स अकाउंट पर बायो बदल लिया है और अब खुद को सिर्फ बसपा समर्थक बताया है।

इस बदलाव के बाद बसपा की राजनीति में नए समीकरणों की चर्चा तेज हो गई है। ईशान आनंद को करीब 15 राज्यों में पार्टी के कामकाज की समीक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ईशान आनंद इन राज्यों में पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों और कामकाज की समीक्षा करेंगे। वह अपने पिता और बसपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनंद कुमार को रिपोर्ट करेंगे। वहीं, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि आकाश आनंद को जल्द एक बार फिर बसपा से बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। इससे पहले वह इस साल मार्च में बसपा से निष्कासित किए गए थे। उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ को भी मायावती ने बाहर का रास्ता दिखा दिया था। अशोक को एक महीने पहले दोबारा बसपा से निकाला जा चुका है। मायावती का कहना है कि अब अशोक सिद्धार्थ के लिए बसपा के दरवाजे पूरी तरह से बंद हो चुके हैं।

पिछले हफ्ते आकाश आनंद से छीना गया पद

मार्च में आकाश आनंद को बसपा से निकालने के एक महीने बाद उनकी वापसी हो गई थी। बीते मई में मायावती ने आकाश आनंद को चीफ नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया गया था। पिछले हफ्ते उनको राजनीतिक रूप से अपरिपक्व बताते हुए मायावती ने उनसे यह पद छीन लिया था।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

छात्रों पर दमन की नीति अपना रही सम्राट सरकार : तेजस्वी

» बिहार सरकार पर रोजगार और भ्रष्टाचार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मगध-गया। गयाजी जिले के टिकारी विधानसभा क्षेत्र के महामना गांव में आयोजित भुइयां-मुसहर संघ सम्मेलन में पहुंचे बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने युवाओं, रोजगार और वंचित समाज के मुद्दों को लेकर सरकार को घेरा और राजद की नीतियों को गिनाया।

तेजस्वी यादव ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी 17 महीने की सरकार के कार्यकाल में बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार दिया गया। उन्होंने कहा कि आज बड़ी संख्या में युवा बदलाव की उम्मीद लेकर आगे बढ़ रहे हैं। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार छात्रों की समस्याओं को सुनने के बजाय उन पर दमन की नीति अपना रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में युवाओं को रोजगार और बेहतर भविष्य की जरूरत है, लेकिन सरकार इस दिशा में गंभीर नहीं है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा और संघर्ष के रास्ते पर आगे बढ़ने की अपील की।

राजद नेता ने अपने संबोधन में पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के सामाजिक न्याय से जुड़े कार्यों को याद किया। उन्होंने कहा कि लालू यादव ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को सम्मान और अधिकार दिलाने का काम किया है, जिसे राजद आज भी आगे बढ़ा रहा है। तेजस्वी ने कहा कि उनकी पार्टी हमेशा गरीब, पिछड़े और वंचित वर्गों की आवाज बनकर खड़ी रही है।

खरगे 'शुद्धिकरण' मामले में भाजपा नेताओं पर एफआईआर

» जांच के लिए उत्तराखंड भेजेगी कर्नाटक पुलिस

» बेंगलुरु में क्यों दर्ज हुई जीरो एफआईआर?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की उत्तराखंड के हल्द्वानी में हुई रैली के बाद शुद्धिकरण अनुष्ठान को लेकर उठे विवाद ने अब कानूनी रूप ले लिया है। कर्नाटक की बेंगलुरु पुलिस ने उत्तराखंड भाजपा के नेताओं और अन्य लोगों के खिलाफ जीरो एफआईआर दर्ज की है। मामला सामने आने के बाद अब इसकी जांच उत्तराखंड में होने का रास्ता साफ हो गया है। कांग्रेस किसी भी कीमत पर इस मुद्दे को हल्का नहीं पड़ने देना चाहती। कांग्रेस के लिए यह मुद्दा राजनीतिक संजीवनी का काम कर सकता है। इसीलिए कांग्रेस इसे पका रही है।

मामले में आदिवासी कांग्रेस विभाग के पूर्व उपाध्यक्ष टी.आर. रामप्पा की शिकायत के आधार पर बेंगलुरु के विधान सौधा थाने में 31 अगस्त को शिकायत दी गई थी। पुलिस ने इसी शिकायत के आधार पर 4 सितंबर को जीरो एफआईआर दर्ज की। जीरो एफआईआर का मतलब है कि किसी अपराध की रिपोर्ट उसके क्षेत्राधिकार से बाहर होने के बावजूद किसी भी पुलिस थाने में दर्ज की जा सकती है और बाद में उसे संबंधित थाना पुलिस को जांच के लिए भेजा जाता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष समेत कई नाम जांच के दायरे में

एफआईआर में उत्तराखंड भाजपा अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट समेत भाजपा से जुड़े अन्य लोगों के नाम सामने आए हैं। शिकायत में शुद्धिकरण कार्यक्रम और उसके समर्थन में दिए गए बयानों की भी जांच की मांग की गई है। मामले में एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम, संरक्षण नागरिक अधिकार अधिनियम और

भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई का उल्लेख किया गया है। ऐसे में अब उत्तराखंड पुलिस के सामने यह तय करने की चुनौती होगी कि शिकायत में लगाए गए आरोपों के समर्थन में प्रथमदृष्टया क्या साक्ष्य मौजूद हैं और कार्यक्रम में शामिल लोगों की भूमिका क्या थी।

उत्तराखंड के अधिकारियों के लिए खुला जांच का रास्ता

कर्नाटक पुलिस द्वारा जीरो एफआईआर दर्ज किए जाने के बाद अब मामले को उत्तराखंड पुलिस और संबंधित अधिकारियों को भेजे जाने की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके साथ ही उत्तराखंड के अधिकारियों के लिए आरोपों की जांच अपने हाथ में लेने का रास्ता साफ हो गया है। यानी जिस घटना का स्थल हल्द्वानी है, उसकी विस्तृत जांच अब उत्तराखंड में हो सकती है।

हल्द्वानी में हुई थी घटना

शिकायत के अनुसार, मल्लिकार्जुन खरगे ने 8 अगस्त को उत्तराखंड के नैनीताल जिले के हल्द्वानी में रामलीला मैदान में एक शांतिपूर्ण जनसभा को संबोधित किया था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि 10 अगस्त को स्थानीय बीजेपी पदाधिकारियों ने उस जगह पर एक अनुष्ठानिक सफाई (शुद्धिकरण) का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि यह काम जानबूझकर जातिवादी सोच को बढ़ावा देने के लिए किया गया था, ताकि यह दिखाया जा सके कि मल्लिकार्जुन खरगे (जो अनुसूचित जाति समुदाय से आते हैं) की मौजूदगी के कारण मैदान अपवित्र हो गया था।

24 दिन और खरगे कि चिट्ठी

एक तरफ 24 दिन का इंतजार दूसरी तरफ खरगे की चिट्ठी और बीच में वह भरोसा जो राज्यसभा में जेपी नड्डा ने दिया था। हल्द्वानी के रामलीला मैदान में हुए 'शुद्धिकरण' विवाद की कहानी में यह महज एक कानूनी घटनाक्रम नहीं है बल्कि सियासत के दो बड़े चेहरों के बीच हुए संवाद की वह कड़ी है जिसने आखिरकार मामले को एफआईआर की चौखट तक पहुंचा दिया। मल्लिकार्जुन खरगे ने जेपी नड्डा को चिट्ठी लिखी तो उनके शब्दों में सिर्फ शिकायत नहीं थी। उसमें इंतजार था, सवाल था और शायद उस भरोसे की याद भी थी जो नड्डा ने सदन में दिया था। खड़गे ने याद दिलाया कि घटना को 24 दिन बीत चुके हैं लेकिन कार्रवाई के नाम पर तस्वीर साफ नहीं हुई। सवाल सीधा था जब सदन में कार्रवाई का आश्वासन दिया गया था तो फिर एफआईआर अब तक क्यों नहीं? खड़गे की बेचैनी की वजह सिर्फ यह नहीं थी कि उनके कार्यक्रम के बाद तौर पर मैदान का 'शुद्धिकरण' किया गया। उनकी आपत्ति उस सोच से थी, जिसमें किसी व्यक्ति की जातिगत पहचान को लेकर उसके जाने के बाद किसी सार्वजनिक स्थान को 'शुद्ध' करने की जरूरत महसूस की जाए। खड़गे ने इसे

» जेपी नड्डा ने राज्यसभा में दिया था भरोसा

अपनी व्यक्तिगत बेइज्जती से आगे ले जाकर संविधान, बराबरी और सामाजिक सम्मान के सवाल से जोड़ा। और यहीं नड्डा का वह आश्वासन फिर सामने आता है जांच होगी जो दोषी होगा उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। नड्डा ने सदन में यह भी स्पष्ट किया था कि भाजपा ऐसे कृत्य का समर्थन नहीं करती। खड़गे की चिट्ठी दरअसल उसी आश्वासन को फिर से सामने रखने की कोशिश थी।

राजनीतिक विवाद से कानूनी जांच तक पहुंचा मामला

जीरो एफआईआर दर्ज होने के बाद हल्द्वानी का यह विवाद अब महज राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रह गया है। कर्नाटक में दर्ज हुई एफआईआर ने उत्तराखंड प्रशासन के सामने औपचारिक जांच की जिम्मेदारी भी ला खड़ी की है। अब सबकी नजर इस बात पर होगी कि उत्तराखंड पुलिस मामले को किस तरह आगे बढ़ाती है और 'शुद्धिकरण' कार्यक्रम के पीछे की वास्तविक परिस्थितियों को जांच में किस तरह सामने लाया जाता है।

कर्नाटक में जीरो एफआईआर दर्ज हो गई।

जिस कार्रवाई का इंतजार लंबे समय से था उसकी पहली औपचारिक दस्तक आखिर सुनाई दे गई। अब जीरो एफआईआर उत्तराखंड जाएगी और उसके बाद जांच की जिम्मेदारी उत्तराखंड पुलिस के सामने होगी। आरोप सही हैं या गलत किसकी भूमिका क्या थी और 'शुद्धिकरण' के पीछे वास्तव में क्या हुआ इन सवालों का जवाब जांच देगी। लेकिन फिलहाल तस्वीर में यह तीन फ्रेम बेहद साफ हैं खड़गे की चिट्ठी, नड्डा का पुराना आश्वासन और एफआईआर की नई दस्तक। सियासत की इस पूरी कहानी में सबसे दिलचस्प सवाल यही है क्या कई दिनो बाद आई यह कार्रवाई उस भरोसे का जवाब है जिसकी याद खड़गे ने अपनी चिट्ठी में दिलाई थी?

शिकायत में कहा गया है

शिकायत में कहा गया है कि 8 अगस्त को खड़गे द्वारा नैनीताल जिले के रामलीला मैदान में एक जनसभा को संबोधित करने के बाद वहां शुद्धिकरण नामक एक अनुष्ठान किया गया था। इसका उद्देश्य जातिवादी धारणा को व्यक्त करना था कि खड़गे की उपस्थिति के बाद वह स्थान अपवित्र हो गया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि खड़गे राज्यसभा में विपक्ष के नेता भी हैं और अनुसूचित जाति समुदाय से आते हैं। शिकायत में महेंद्र भट्ट और भाजपा के अन्य पदाधिकारियों पर मीडिया बयानों के माध्यम से इस अनुष्ठान का बचाव और समर्थन करने का आरोप लगाया गया है। रामप्पा ने तर्क दिया कि ऐसे बयान जाति आधारित भेदभाव के कृत्य का सार्वजनिक रूप से समर्थन करने और उसे राजनीतिक स्वीकृति देने के बराबर हैं। 31 अगस्त को प्रस्तुत लिखित शिकायत पर कानूनी राय लेने के बाद बेंगलुरु पुलिस ने नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत जीरो एफआईआर दर्ज की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एफआईआर को घटनास्थल उत्तराखंड के संबंधित अधिकारियों को आगे की जांच के लिए शीघ्र ही भेज दिया जाएगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

अगली बार शायद हमारे पास 24 घंटे भी न हों

नेपाल में आई तबाही को अगर हम सिर्फ एक और बाढ़ की खबर मानकर आगे बढ़ गए तो शायद हम अगली त्रासदी का इंतजार कर रहे होंगे। यह पानी का प्रकोप भर नहीं है। यह हिमालय की बदलती हुई देह से निकली चेतावनी है। 26 अगस्त को नेपाल-तिब्बत सीमा के पास ग्लेशियर के ढहने के बाद पानी, बर्फ, चट्टान और मलबे ने जिस रफ्तार से तबाही मचाई, उसने पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। नेपाल में मौतों का आंकड़ा 1,200 के पार पहुंच चुका है और हजारों लोग अब भी लापता हैं। लेकिन भारत को इस खबर को नेपाल की त्रासदी समझकर चैन की सांस लेने की भूल नहीं करनी चाहिए। क्योंकि हिमालय कोई सीमा रेखा नहीं मानता और न उसकी नदियां पासपोर्ट लेकर चलती हैं। नेपाल में तबाही मचाने वाली जलधाराएं आगे बढ़ती हैं, भारत में प्रवेश करती हैं और बिहार, उत्तर प्रदेश सहित पूरे गंगा के मैदान को प्रभावित करती हैं। त्रिशूली आगे जाकर नारायणी और फिर भारत में गंडक बनती है। नेपाल की पहाड़ियों में पैदा हुआ संकट कुछ ही घंटों में भारत की नदियों का संकट बन सकता है।

यही वजह है कि नेपाल की तस्वीरों में दिखाई दे रहा मलबा दरअसल भारत के लिए भविष्य की तस्वीर भी हो सकता है। सबसे डरावनी बात यह है कि हमें अब भी हर आपदा के बाद कारण तलाशने की आदत है। कभी बादल फटने को दोष, कभी बारिश को दोष, कभी नदी को दोष। लेकिन अब प्रकृति का पैटर्न बदल रहा है। वैज्ञानिक लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि बढ़ते तापमान से हिमालय के ग्लेशियर तेजी से अस्थिर हो रहे हैं और ग्लेशियल झीलों तथा ग्लेशियर-जनित बाढ़ का खतरा बढ़ रहा है। नेपाल की हालिया आपदा ने यह साफ कर दिया है कि खतरा सिर्फ ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड यानी GLOF तक सीमित नहीं है; ग्लेशियर का टूटना, चट्टानों का खिसकना, नदी का अचानक बंद होना, फिर मलबे के साथ पानी का विस्फोटक तरीके से नीचे आना-ये सभी घटनाएं एक-दूसरे से जुड़कर कुछ ही मिनटों में पूरा भूगोल बदल सकती हैं। उत्तराखंड में 2021 की त्रासदी हो चुकी है। सिक्किम में 2023 में ग्लेशियल झील फट चुकी है। अब नेपाल ने फिर बता दिया कि हिमालय को केवल पर्यटन, तीर्थ और जलविद्युत परियोजनाओं की जमीन समझना कितना खतरनाक हो सकता है। विशेषज्ञों ने नेपाल की घटना के बाद ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ग्लेशियरों की नियमित निगरानी और भूगर्भीय बदलावों की लगातार जांच की जरूरत बताई है।

“ हमारी विकास की दौड़ में पहाड़ सबसे आसान शिकार बनते जा रहे हैं। सड़क चाहिए तो पहाड़ काटो। सुरंग चाहिए तो पहाड़ खोदो। बिजली चाहिए तो नदी रोक दो। पर्यटन चाहिए तो नदी के किनारे होटल खड़े कर दो। और जब पहाड़ जवाब देता है तो उसे ‘प्राकृतिक आपदा’ कहकर जिम्मेदारी खत्म कर दो। प्राकृतिक आपदा और मानवीय लापरवाही के बीच की रेखा अब बहुत पतली हो चुकी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

धर्म के नाम पर न बांटने दिया जाये मनुष्यता को

विश्वनाथ सचदेव

बहुत पुरानी बात नहीं है, जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने भारत में पैदा होने वाले हर व्यक्ति को हिंदू कहकर देश की विविधता में एकता को रेखांकित किया था। अब फिर उन्होंने अमेरिका के न्यूयॉर्क में कहा है कि जो हिंदू यह मानता है कि मुसलमानों को भारत से बाहर कर देना चाहिए, वह हिंदू नहीं रह सकता। भागवत का यह कथन तब और महत्वपूर्ण बन जाता है, जब हम यह देखते हैं कि भारत में उनके अनुयायी बात-बात पर भारत के मुसलमानों को पाकिस्तान भेजने की बात करते हैं, उनके सामाजिक बहिष्कार की बात करते हैं। ऐसे में यह सवाल तो उठता ही है कि उनकी किस बात पर विश्वास किया जाए-हिंदुओं और मुसलमानों के डीएनए के एक होने वाली बात पर या मुसलमानों को पाकिस्तान भेजे जाने वाली बात पर विविधता में एकता का संदेश भारत की एक पहचान है।

शायद ही दुनिया का कोई और देश होगा, जहां इतने सारे धर्मों को मानने वाले साथ मिलकर रहते हैं। लेकिन हमारी एक सच्चाई यह भी है कि धर्म के नाम पर ही आए दिन मनुष्यता को बांटने की कोशिशें होती हैं। संघ के मुखिया मोहन भागवत के ही कई संगी-साथी आए दिन मुसलमानों को दूसरे दर्जे का नागरिक होने का अहसास कराते दिखते हैं। यह सही है कि 1947 में देश का विभाजन धर्म के नाम पर ही हुआ था, पर उतना ही बड़ा सच यह भी है कि नए भारत के संविधान-निर्माताओं ने भारत को हिंदू राष्ट्र नहीं माना था। किसी भी धर्म को मानने वाला क्यों न हो, भारत में रहने वाला हर नागरिक भारतीय माना गया था। यह भी सही है कि विभाजन के समय करोड़ों लोग भारत से पाकिस्तान और पाकिस्तान से भारत आए-गए थे, पर इस हकीकत से भी आंख नहीं चुराई जा सकती कि तब करोड़ों मुसलमानों ने भारत में रहना ही स्वीकार किया था। अवसर था उनके पास पाकिस्तान जाने का, पर ऐसा न करके उन्होंने इस देश की मिट्टी के प्रति अपने लगाव का ही उदाहरण दिया था। इसलिए, उनकी देशभक्ति पर अविश्वास करने का कोई कारण नहीं बनता। कुछ अरसा पहले आरएसएस के मुखिया मोहन भागवत ने भारत में पैदा होने वाले हर व्यक्ति को हिंदू कहकर एक उदाहरण प्रस्तुत किया था।

आज फिर 'धर्म अलग हो सकते हैं, मगर मानवता एक है, सभी रास्ते ईश्वर तक ले जाने वाले हैं' का संदेश देकर उन्होंने मनुष्यता के धर्म को स्वीकार करने का ही आग्रह किया है। सवाल इस आग्रह के पीछे की सच्चाई का है। हमारा संविधान देश के हर नागरिक को अपना

धर्म मानने, उसके अनुसार आचरण का अधिकार देता है। हर भारतीय को यह अधिकार भी है कि वह अपने विश्वास का प्रचार-प्रसार कर सके। फिर, धर्म के नाम पर किसी के कम या अधिक भारतीय होने का क्या अर्थ रह जाता है? सवाल यह उठता है कि हमारी पहचान हिंदू या मुसलमान के आधार पर होनी चाहिए अथवा भारतीय होने के नाते? सवाल यह भी उठता है कि आज़ादी के अस्सीवें साल में गर्व से स्वयं को हिंदू या मुसलमान कहने-समझने का क्या अर्थ है? होना तो यह चाहिए था कि समय के साथ भारतीयता की हमारी पहचान और मजबूत होती, पर हो उल्टा ही रहा है! हम भारत माता की जय का नारा तो लगाते हैं, पर यह भूल जाते हैं कि भारत माता है क्या? देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने भारत-माता की एक परिभाषा हमें दी थी। इस देश के सारे नागरिक मिलकर भारत-माता को आकार देते हैं। इस तर्क को यदि हम समझ लेते हैं तो फिर स्वयं को भारतीय प्रमाणित करने के लिए कोई नारा लगाने की जरूरत नहीं रह जाती। यही भारतीयता हमारी पहचान होनी चाहिए। इसी भारतीयता पर हमें गर्व करना चाहिए। हमारी विविधता में एकता का यही अर्थ है, यही अर्थ होना चाहिए। जब मोहन भागवत सात समुद्र पार जाकर विविधता में एकता का संदेश देते हैं, उसकी महत्ता समझाते हैं, तो इसका अर्थ सिर्फ यही होना चाहिए कि यह संदेश हर भारतीय के लिए है। सच कहें तो दुनियाभर के लिए है यह संदेश। मैं कैसे अपने आराध्य को पूजता हूं, यह मेरा निजी कर्म है। इसके आधार पर मेरी कोई पहचान निर्धारित नहीं हो सकती। मेरी वास्तविक पहचान मेरा इंसान होना है न हिंदू बनेगा, न मुसलमान बनेगा, इंसान की औलाद है, इंसान बनेगा!

इस रहस्य की गुत्थी कब खोलेंगे हम? कब समझेंगे इसके मर्म को। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था, 'मैं चाहता हूं हिंदू और अच्छा हिंदू बने, मुसलमान और अच्छा मुसलमान बने, ईसाई और अच्छा ईसाई बने... यह और अच्छा बनने की प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए हमारे भीतर। यही 'और अच्छा' होना हमें अच्छा मनुष्य बना सकता है। समझना हमें यह भी होगा कि दुनिया के सब धर्म अंतत: हमें अच्छा इंसान बनने का ही संदेश देते हैं। बिना अच्छा इंसान बने, हम न अच्छा हिंदू हो सकते हैं, न अच्छा मुसलमान।

प्रगतिशील सोच और जागरूकता से ही समाधान

सुरेश सेठ

आधुनिकता केवल तकनीक, धन, उपभोग और ऊंची इमारतों से नहीं आती। वास्तविक आधुनिकता तभी संभव है, जब समाज महिलाओं को वस्तु या लेन-देन का माध्यम नहीं, बल्कि समान अधिकारों वाली स्वतंत्र नागरिक और नेतृत्वकारी शक्ति के रूप में स्वीकार करे। सवाल यही है कि भौतिकवाद की चकाचौंध के बीच ये घृणित रूढ़ियां आखिर कब टूटेंगी और भारतीय समाज अपने व्यवहार में सच्ची प्रगतिशीलता कब अपनाएगा?

भारत को प्रगतिशील, आधुनिक और विश्व के अग्रणी देशों में गिनते हुए हम नहीं थकते। देश की प्राचीन सांस्कृतिक गरिमा हमें गर्व का अनुभव कराती है, लेकिन मध्यकाल से लेकर आज तक चली आ रही अनेक जर्जर रूढ़ियां और परंपराएं हमें शर्मिंदा भी करती हैं। दास प्रथा भले ही समाप्त हो चुकी हो, पर छुआछूत, दहेज, बाल विवाह, शादी-ब्याह में फिजूलखर्ची और सामाजिक आडंबर जैसी कुरीतियां किसी न किसी रूप में आज भी मौजूद हैं। शादियों में बढ़-चढ़कर खर्च करना और दिखावे के माध्यम से सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदर्शित करना एक प्रकार का कारोबार बन चुका है। डेस्टिनेशन वेडिंग पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। पर्यटन विभाग भी चाहता है कि ऐसी शादियां भारत के सुंदर स्थलों पर हों, ताकि देश का धन देश में रहे, किंतु धनी वर्ग विदेशी स्थलों की ओर आकर्षित होता है।

इससे अनावश्यक विदेशी खर्च बढ़ता है। जनजागरण के तमाम प्रयासों के बावजूद पुरानी रूढ़ियां नए रूपों में बार-बार सामने आ जाती हैं। वर्षों से सामाजिक और कानूनी अभियानों के बावजूद देश में बाल विवाह के मामले सामने आ रहे हैं। यह माना जाता है कि आज लड़कियों को शिक्षा, प्रतियोगिताओं और रोजगार के अवसर मिल रहे हैं तथा वे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। फिर भी कुछ राज्यों में बाल विवाह जारी हैं। कहीं न कहीं सामाजिक दबाव इसके लिए जिम्मेदार है। महिला बाल विकास मंत्रालय के अनुसार, 27 अगस्त 2026 तक देश में बाल विवाह से जुड़े 3,863 मामले सामने आए। प्रशासनिक कार्रवाई के माध्यम से 3,405 बाल विवाह रोके गए, जबकि पुलिस शिकायतों, बाल कल्याण समितियों की रिपोर्टों और विवाह निरस्तीकरण से जुड़े मामलों को मिलाकर 458 मामले दर्ज हुए।

ये आंकड़े बताते हैं कि समस्या समाप्त नहीं हुई है और सामाजिक जागरूकता के दावे पूरी तरह वास्तविकता से मेल नहीं खाते। बाल विवाह रोकने के मामले में मध्य प्रदेश सबसे आगे रहा, जहां 703 विवाह रोके गए। इसके बाद झारखंड में 534, हरियाणा में 531, त्रिपुरा में 353 और आंध्र प्रदेश में 326 बाल विवाह रोके गए। दूसरी ओर, बाल विवाह संबंधी आपराधिक मामलों में महाराष्ट्र में 154, राजस्थान में 152, पश्चिम बंगाल में 96 और छत्तीसगढ़ में 84 मामले दर्ज किए गए। मंत्रालय के अनुसार मध्य प्रदेश, झारखंड, हरियाणा, त्रिपुरा और आंध्र प्रदेश में देशभर की कुल शिकायतों का बड़ा हिस्सा केंद्रित रहा। कुछ राज्यों में त्वरित पुलिस कार्रवाई से रोकथाम में उल्लेखनीय सफलता मिली, जिनमें हरियाणा और तमिलनाडु शामिल हैं।

यह भी उल्लेखनीय है कि अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली, गोवा, लद्दाख, लक्षद्वीप, मणिपुर, मेघालय, नगालैंड, सिक्किम तथा दादरा एवं नगर हवेली से बाल विवाह की कोई रिपोर्ट नहीं मिली। इससे स्पष्ट है कि पूरा देश एक जैसी सामाजिक परिस्थितियों में नहीं जी रहा। फिर भी जिन बड़े राज्यों में आर्थिक और भौतिक विकास के दावे अधिक हैं, वहां भी बाल विवाह जैसी कुरीतियों का बने रहना हमारी प्रगति की असमान और विरोधाभासी तस्वीर प्रस्तुत करता है। बाल विवाह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि आर्थिक असुरक्षा, सामाजिक दबाव, लैंगिक भेदभाव और कई अन्य विकृत मानसिकताओं से जुड़ी समस्या है। जिस देश में तेज आर्थिक विकास, मोबाइल और डिजिटल पहुंच तथा शिक्षा के विस्तार के दावे किए जाते हैं, वहां दहेज प्रथा का निर्बाध बने रहना भी गंभीर विरोधाभास है। दहेज को अक्सर 'उपहार' का नाम देकर सामाजिक स्वीकृति देने की कोशिश की जाती है, लेकिन विवाह और तलाक से जुड़े विवादों से स्पष्ट होता है कि आज भी लड़कियों के परिवारों पर कार, मकान और अन्य महंगी वस्तुएं देने के लिए प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष दबाव डाला जाता है।

विडंबना यह है कि विवाह संबंध तय करते समय लड़की के परिवार की आर्थिक क्षमता का आकलन इस दृष्टि से किया जाता है कि उपहारों के नाम पर कितना लाभ प्राप्त हो सकता है। धनाढ्य वर्ग में भी बेमेल विवाह और आर्थिक हैसियत के आधार पर रिश्तों का निर्धारण दिखाई देता है। अत: यह मान लेना आत्मप्रवंचना होगी कि भारत ने पुरानी सामाजिक कुरीतियों से पूरी तरह मुक्ति पा ली है। आधुनिकता केवल तकनीक, धन, उपभोग और ऊंची इमारतों से नहीं आती। वास्तविक आधुनिकता तभी संभव है, जब समाज महिलाओं को वस्तु या लेन-देन का माध्यम नहीं, बल्कि समान अधिकारों वाली स्वतंत्र नागरिक और नेतृत्वकारी शक्ति के रूप में स्वीकार करे। सवाल यही है कि भौतिकवाद की चकाचौंध के बीच ये घृणित रूढ़ियां आखिर कब टूटेंगी और भारतीय समाज अपने व्यवहार में सच्ची प्रगतिशीलता कब अपनाएगा?

पवनमुक्तासन

अगर पैरों में दर्द के साथ भारीपन महसूस होता है, तो पवनमुक्तासन फायदेमंद हो सकता है। यह शरीर में रक्त संचार को बेहतर बनाने में मदद करता है। इसे करने के लिए पीठ के बल लेट जाएं और घुटनों को मोड़कर छाती की ओर लाएं। हाथों से पैरों को पकड़ें और कुछ सेकंड इसी अवस्था में रहें। इसके अलावा यदि आपको गैस और एसिडिटी के कारण असुविधा हो रही है, तो पाचन के लिए योग की ओर रुख करें। पवनमुक्तासन आपको तुरंत इस समस्या में आराम दिला सकता है।

पैरों की नसों को मजबूत बनाते हैं ये योगासन

आजकल लंबे समय तक खड़े रहने, लगातार चलने, गलत फुटवियर पहनने और घंटों बैठकर काम करने की वजह से पैरों के तलवों में दर्द, झनझनाहट और जलन जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। कई लोग इसे सामान्य थकान समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन बार-बार होने वाली यह परेशानी शरीर में नसों की कमजोरी, खराब ब्लड सर्कुलेशन या बढ़ते तनाव का संकेत भी हो सकती है। विशेषज्ञों के मुताबिक, अगर समय रहते इस समस्या पर ध्यान न दिया जाए तो चलने-फिरने में दिक्कत, पैरों में सुन्नपन और मांसपेशियों में अकड़न जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में योग एक प्राकृतिक और असरदार उपाय साबित हो सकता है। नियमित योगासन न केवल पैरों की मांसपेशियों को मजबूत बनाते हैं, बल्कि शरीर में रक्त संचार को भी बेहतर करते हैं। कुछ योगासन रोजाना करने से तलवों में दर्द, झनझनाहट और जलन से काफी राहत मिल सकती है। खास बात यह है कि इन योगासनों को घर पर बिना किसी उपकरण के आसानी से किया जा सकता है। अगर आप पैरों के तलवों में दर्द, जलन या झनझनाहट से परेशान रहते हैं, तो नियमित योगाभ्यास आपकी समस्या को काफी हद तक कम कर सकता है। हालांकि, यदि दर्द लगातार बना रहे या अधिक बढ़ जाए, तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें। सही जीवनशैली, संतुलित आहार और नियमित योग से पैरों को स्वस्थ रखा जा सकता है।

वज्रासन

वज्रासन नसों को रिलैक्स करने में मदद करता है। लंबे समय तक बैठकर काम करने वालों के लिए यह योगासन बेहद फायदेमंद माना जाता है। इससे पैरों में सुन्नपन और झनझनाहट कम हो सकती है। इसे करने के लिए घुटनों को मोड़कर एड़ियों पर बैठ जाएं। रीढ़ सीधी रखें और धीरे-धीरे सांस लें। 5 से 10 मिनट तक इस मुद्रा में बैठें रहें इससे पैरों की इन समस्या से रात मिलेगी।

ताड़ासन

ताड़ासन योग का अभ्यास करने से न सिर्फ आपके शरीर का पोस्चर ठीक होता है बल्कि इससे शरीर का बैलेंस भी बेहतर होता है। ताड़ासन को अंग्रेजी में Palm Tree Pose कहते हैं। ताड़ासन का अभ्यास करते समय हमारा शरीर ताड़ के पेड़ की मुद्रा में रहता है। ताड़ासन एक मध्यम श्रेणी का योगासन है जिसका अभ्यास आसानी से किया जा सकता है। ताड़ासन शरीर के संतुलन को बेहतर बनाने वाला बेहद आसान योगासन है। इसे करने से पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और तलवों में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। इसके अलावा शरीर में किसी भी तरह के दर्द को कम करने के लिए रोजाना ताड़ासन का अभ्यास बहुत फायदेमंद होता है। रोज सुबह 5 मिनट ताड़ासन करने से पैरों की थकान और दर्द कम हो सकता है। इसे करने के लिए सीधे खड़े होकर दोनों हाथ ऊपर उठाएं और पंजों के बल खड़े होने की कोशिश करें। कुछ सेकंड इसी स्थिति में रहें और फिर सामान्य अवस्था में आ जाएं।

वृक्षासन

वृक्षासन शरीर के संतुलन और पैरों की मजबूती के लिए बेहद अच्छा माना जाता है। इससे पैरों की नसों पर सकारात्मक असर पड़ता है और झनझनाहट कम हो सकती है। इसे करने के लिए एक पैर पर खड़े होकर दूसरे पैर को जांघ पर रखें। दोनों हाथ जोड़कर ऊपर उठाएं और संतुलन बनाए रखें।

अधोमुख श्वानासन

अधो मुख श्वानासन का नाम तीन शब्दों के मेल से रखा गया है- अधस, मुख और श्वान। अधस का मतलब नीचे की ओर गया हुआ, मुख यानी मूह, और श्वान का अर्थ है कुत्ता। अधो मुख श्वानासन सूर्य नमस्कार ए और सूर्य नमस्कार बी का एक स्टेप है। यह योगासन पैरों की नसों में खिंचाव पैदा करता है, जिससे मांसपेशियों का तनाव कम होता है। नियमित अभ्यास करने से तलवों की जलन और दर्द में आराम मिल सकता है। इसे करने के लिए दोनों हाथ और पैर जमीन पर रखें और शरीर को उल्टे आकार में उठाएं। कुछ सेकंड तक इसी मुद्रा में बने रहें। इस आसन को हर किसी को करना चाहिए क्योंकि यह टांगों, बाजुओं और कंधों के लिए बहुत लाभदायक है।

हंसना मना है

पति अपनी नाराज पत्नी को रोज फोन करता है.. सासूजी: कितनी बार कहा की वो अब तुम्हारे घर नहीं आएगी, फिर क्यों रोज-रोज फोन करते हो? जमाई: सुन कर अच्छा लगता है इसीलिए।

पापा: बेटा तुम पास हो या ना हो मैं तुम्हें बाइक जरूर दिला दूंगा.. पप्पू: थैंक्यू पापा जी, पापा: अगर पास हुये तो 'हीरो होन्डा' कॉलेज जाने के लिये, अगर फेल हुये तो 'राजदूत' दूध बेचने के लिये।

मैंने दरवाजा खोला तो, उसकी आंखों में आंसू, चेहरे पर हंसी थी, सांसों में आहे, दिल में बेबसी थी, पगली ने पहले नहीं बताया की, दरवाजे में उसकी ऊंगली फंसी थी।

सरदार लड़की वालों के यहां रिश्ता लेकर पहुंचा, मां-बाप बोले- हमारी बेटी अभी पढ़ रही है, सरदार बोला: कोई बात नहीं जी, हम एक-दो घंटे बाद आ जायेंगे।

वाईफ- जानू हम ना..मंडे .. शॉपिंग, ट्यूसडे .. होटल, वेडनेसडे .. आउटिंग, थर्सडे .. डिनर, फ्राइडे .. मूवी, सैटरडे .. पिकनिक जायेंगे। कितना मजा आएगा ना। हसबेंड- यस, और संडे मंदिर.. वाइफ- क्यों..? हसबेंड- भीख मांगने।

कहानी | सियार और जादुई ढोल

एक जंगल के पास दो राजाओं के बीच युद्ध हुआ। उस युद्ध में एक की जीत और दूसरे की हार हुई। युद्ध खत्म होने के एक दिन बाद तेज आंधी चली, जिस कारण युद्ध के दौरान बजाया जाने वाला ढोल लुढ़क कर जंगल में चला गया और एक पेड़ के पास अटक जाता है। जब भी तेज हवा चलती और पेड़ की टहनी ढोल पर पड़ती, तो ढमाढम-ढमाढम की आवाज आने लगती थी। एक सियार खाने की तलाश में इधर-उधर भटक रहा था और अचानक उसकी नजर खरगोश पर पड़ती है। सियार उसे शिकार बनाने के लिए आगे बढ़ता है। जब वह खरगोश पर झपटा मारता है, तो खरगोश उसके मुंह में गाजर को फंसाकर भाग जाता है। सियार गाजर को मुंह से बाहर निकालकर आगे बढ़ता है, तो उसे ढोल की तेज आवाज सुनाई देती है। वह घबरा जाता है और सोचने लगता है कि उसने पहले कभी किसी जानवर की ऐसी आवाज नहीं सुनी। जहां से ढोल की आवाज आ रही थी, सियार उस ओर जाता है और यह जानने की कोशिश करता है कि जानवर उड़ने वाला है या चलने वाला। फिर वह ढोल पर हमला करने के लिए कूदता है, तो ढम की आवाज आती है, जिसे सुनकर सियार छलांग लगा कर उतर जाता है और पेड़ के पीछे छुपकर देखने लगता है। कुछ मिनट बाद किसी तरह की प्रतिक्रिया न होने पर वह फिर से ढोल पर हमला करता है और फिर से ढम की आवाज आती है और वह फिर से ढोल से कूदकर भागने लगता है, लेकिन इस बार वह वहीं पर रुककर मुड़कर देखता है। ढोल में किसी भी तरह की हलचल न होने पर वह समझ जाता है कि यह कोई जानवर नहीं है। फिर वह ढोल पर कूद-कूद कर ढोल को बजाने लगता है। इससे ढोल हिलने लगता है और लुढ़कने भी लगता है, जिससे सियार ढोल से गिर जाता है और ढोल बीच में से फट जाता है। ढोल के फटने पर उसमें से विभिन्न तरह के स्वादिष्ट भोजन निकलते हैं, जिसे खाकर सियार अपनी भूख को शांत करता है।

7 अंतर खोजें

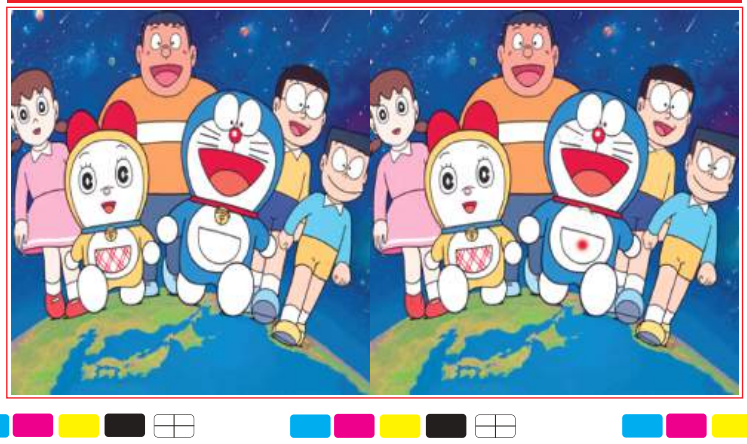

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

दिन के पहले हिस्से में संवाद और योजनाओं पर जोर रहेगा, जबकि बाद में कामकाज में भावनात्मक पहलू प्रभावी हो सकता है। आय के नए स्रोत बनेंगे और आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

वृषभ

काम में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। बातचीत में सौम्यता रखें। साझेदारी वाले कारोबार में पारदर्शिता बनाए रखें पेट संबंधी परेशानी से बचने के लिए हल्का भोजन करें।

मिथुन

चंद्रमा के दिन के एक हिस्से में मिथुन में रहने से संवाद और विचारों की सक्रियता रहेगी। अपनी बात स्पष्ट रखें। रुका हुआ पैसा वापस मिलने के योग हैं।

कर्क

चंद्रमा के कर्क में आने के बाद भावनात्मक विषयों का प्रभाव बढ़ सकता है। काम के दबाव को संतुलित रखें। पुराने संपर्क और मौजूदा योजनाएं अधिक महत्वपूर्ण रहेंगी।

सिंह

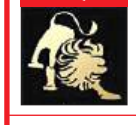

अधिकारियों के सामने अपनी बात स्पष्ट रखें। कारोबार में नई योजनाओं पर विचार कर सकते हैं, लेकिन जोखिम का आकलन जरूर करें।

कन्या

कार्यस्थल की राजनीति से दूर रहना बेहतर होगा। अपने लक्ष्य पर ध्यान दें। बाजार की स्थिति समझने के बाद ही कोई बड़ा कदम उठाएं। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी।

तुला

रचनात्मक काम करने वालों को पहचान मिल सकती है। टीम के साथ मिलकर काम करें। साझेदारी में काम करने वालों को नए अवसर मिल सकते हैं।

वृश्चिक

अपनी योजनाओं और निजी जानकारी को लेकर सावधानी रखें। जोखिमभरे फैसलों से बचें और मौजूदा काम को पूरा करें। पैसों के मामले में सतर्क रहें।

धनु

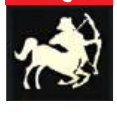

वरिष्ठों का मार्गदर्शन काम आएगा। जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दें। नए प्रस्ताव मिल सकते हैं। किसी भी समझौते की शर्तें ध्यान से पढ़ें। आराम करें।

मकर

काम की अधिकता रहेगी, लेकिन योजनाबद्ध तरीके से काम करेंगे तो स्थिति संभाल लेंगे। रियल एस्टेट से जुड़े मामलों में गतिविधियां बढ़ सकती हैं।

कुम्भ

रचनात्मक काम में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। बदलाव को लेकर नई सोच बन सकती है। तकनीकी क्षेत्र में नए संपर्क बन सकते हैं। खानपान और नींद का संतुलन बनाए रखें।

मीन

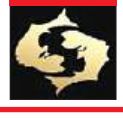

वरिष्ठों का भरोसा बढ़ सकता है। नई जिम्मेदारी को धैर्य से संभालें। दूर के संपर्कों से व्यापारिक संभावनाएं बन सकती हैं। आर्थिक दृष्टि से दिन अनुकूल है।

कार्तिक आर्यन ने शुरू की अगली फिल्म की शूटिंग, निभाएंगे बहादुर पायलट का रोल

बॉलीवुड | गपशप

कार्तिक आर्यन की अगली फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। कार्तिक के फैंस के लिए खुशखबरी है कि उनकी आने वाली फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी खुलासा हो गया है।

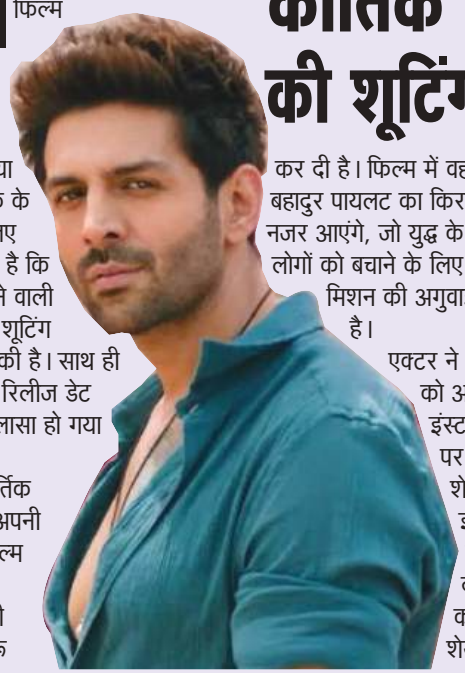

एक्टर कार्तिक आर्यन ने अपनी अगली फिल्म 'कैप्टन इंडिया' की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म में वह एक बहादुर पायलट का किरदार निभाते नजर आएंगे, जो युद्ध के बीच फंसे लोगों को बचाने के लिए खतरनाक मिशन की अगुवाई करता है।

एक्टर ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कई तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर में कार्तिक फिल्म की शूटिंग का ड्राफ्ट हाथ में पकड़े नजर आए। फिल्म का निर्देशन शिमित अमीन कर रहे हैं। फिल्म में कार्तिक आर्यन एक बहादुर पायलट की भूमिका निभाएंगे। उनका किरदार एक युद्धग्रस्त देश में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए एक बेहद खतरनाक और मुश्किल मिशन की अगुवाई करता है।फिल्म की कहानी युद्ध के दौरान लोगों को बचाने के इस साहसी मिशन के इर्द-गिर्द घूमती है।कार्तिक आर्यन की यह फिल्म 13 अगस्त 2027 को रिलीज होगी।

आखिरी बार इस फिल्म में नजर आए थे कार्तिक आर्यन कार्तिक आर्यन इससे पहले फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ अनन्या पांडे भी थीं। फिल्म की कहानी एक बेफिक्र वेडिंग प्लानर और नियमों को न मानने वाली राइटर के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में दोनों किरदारों का नाम रे और रूमी था, जिनकी मुलाकात क्रोएशिया में होती है। यह फिल्म साल 2025 में रिलीज हुई थी।

अमिताभ बच्चन को भगवान मानते हैं फिल्ममेकर प्रियदर्शन!

प्रियदर्शन ने अमिताभ बच्चन से जुड़ा हुआ एक किस्सा सुनाया है। यह किस्सा महानायक के स्टारडम से जुड़ा है। फिल्ममेकर ने अमिताभ बच्चन जैसे कलाकार के उस जबरदस्त आकर्षण को याद किया जो कभी उनसे जुड़ा होता था। जाने-माने फिल्ममेकर ने याद किया कि कैसे, फिल्मों के शौकीन एक युवा के तौर पर, वे बड़े पर्दे पर सुपरस्टार की एक झलक पाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहते थे। आईएनएस के साथ बातचीत में, प्रियदर्शन ने कसौटी फिल्म के पहले दिन का शो देखने के लिए टिकट पाने की कोशिश के अपने अनुभव को याद किया। इसके साथ उन्होंने बताया वह याद आज भी उनके जेहन में ताजा है।

प्रियदर्शन ने कहा, पहले दिन कसौटी का टिकट लेने की कोशिश में मुझे एक बड़ा जख्म मिला था, जो आज भी है। मेरे लिए अमिताभ बच्चन भगवान थे और आज भी हैं।

फिल्ममेकर ने कहा कि सुपरस्टार के लिए उनकी तारीफ और सम्मान आज भी वैसा ही है। मगर उन्होंने यह भी बताया कि दर्शकों के लिए अब उस तरह के आकर्षण या रहस्य को महसूस करना कितना मुश्किल हो गया है, जो पहले के दौर में स्टार्स के साथ जुड़ा होता था। उन्होंने कहा, अब हर स्टार हर जगह मौजूद है। आप किसी एक्टर को आम तौर पर घूमते-फिरते देख सकते हैं। मगर उन कलाकारों का एक अलग ही आकर्षण होता था जिन्हें आप देखना तो चाहते थे, मगर उनके बारे में कुछ भी नहीं जानते थे।

उन्होंने आगे कहा, उस जमाने में जब आप कोई फिल्म देखना चाहते थे, तो आप सिर्फ फिल्म नहीं, बल्कि उस एक्टर को देखने जाते थे। क्योंकि आप उस अभिनेता या अभिनेत्री और उनके बारे में बनी उत्सुकता से प्रभावित होते थे, इसलिए आप उनके आकर्षण में बंध जाते थे। प्रियदर्शन अपनी अपकमिंग थ्रिलर फिल्म हैवान की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। इसमें अक्षय कुमार, सैफ अली खान, बोमन ईरानी, श्रिया पिलगांवकर और सैयामी खेर मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में 18 साल के बाद अक्षय और सैफ साथ में नजर आने वाले हैं। इससे पहले दोनों अभिनेताओं ने मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी, ये दिल्लगी, तू चोर मैं सिपाही और कीमत जैसी फिल्मों में साथ काम किया था। उनकी पिछली साथ वाली फिल्म टशन थी।

बॉलीवुड | मन की बात

मिर्जापुर की एक्ट्रेस रसिका दुगल भी हैं इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर की समर्थक

वेब सीरीज मिर्जापुर में बीना भाभी का किरदार रसिका दुग्गल ने निभाया है। अब यह कहानी फिल्म के रूप में बड़े परदे पर आ चुकी है। इसमें भी रसिका दुग्गल नजर आई हैं। सीरीज हो या फिल्म, दोनों में ही उनका किरदार बोल्ड है और कुछ इंटीमेट सीन्स फिल्माए गए हैं। रसिका दुग्गल के मुताबिक, इंटीमेट सीन शूट करने की कड़ी में इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर काफी मददगार साबित हुए। उन्होंने सहज महसूस कराया। बता दें कि पिछले कुछ वर्षों में बॉलीवुड में फ़िल्म सेट पर इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर या कोच रखने का कॉन्सेप्ट काफी चर्चा में रहा है। कई सितारों ने बताया है कि इनकी मौजूदगी से बोल्ड या इंटिमेट सीन शूट करते समय ज्यादा सुरक्षित और सहज माहौल बनाने में मदद मिलती है। रसिका दुग्गल का भी कुछ यही कहना है। मिर्जापुर की एक्ट्रेस रसिका दुगल भी इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर की समर्थक हैं। उन्होंने बताया कि इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर होने से उन्हें कुछ बोल्ड सीन शूट करते समय ज्यादा सहज महसूस करने में मदद मिली। रसिका दुग्गल का कहना है, खासकर इंटीमेसी सीन के लिए आजकल हमारे पास इंटीमेसी कोऑर्डिनेटर होते हैं, जो बहुत जरूरी है, ताकि किसी के साथ भी किसी तरह की जबर्दस्ती न हो। सभी की चिंताओं का ठीक से ध्यान रखा जाए। यह वैसा ही है जैसे डांस सीक्वेंस के लिए कोरियोग्राफर होता है। या जैसे एक्शन सीक्वेंस के लिए फाइट मास्टर होता है। ठीक वैसे ही, इंटीमेसी सीक्वेंस के लिए इंटीमेसी कोऑर्डिनेटर होता है। तो हम उन सीन के लिए पहले वर्कशॉप करते हैं, ताकि यह समझ सकें कि किसी के लिए- यानी एक्टर, को-एक्टर या खुद आपके लिए, क्या आरामदायक है और क्या नहीं। साथ ही, हम यह समझने की कोशिश करते हैं कि डायरेक्टर हमसे चर्चा करने के बाद जो चाहते हैं, उसे कैसे हासिल किया जाए? रसिका ने कहा, अगर किसी को किसी चीज से असहजता होती है, तो हम उसी असर को पाने का कोई दूसरा तरीका खोजने की कोशिश करते हैं, लेकिन बिना

दुनिया का सबसे महंगा गद्दा, कीमत करीब 7 करोड़ रुपये, घोड़े की पूंछ के बालों से होता है तैयार!

हममें से ज्यादातर लोगों के लिए गद्दा ऐसी चीज है, जिसे खरीदते समय आराम, मजबूती और कीमत देखी जाती है। लेकिन जरा सोचिए, अगर किसी गद्दे की कीमत करोड़ों रुपये हो तो? सुनने में यह बात भले ही अजीब लगे, लेकिन दुनिया में एक ऐसा लग्जरी गद्दा मौजूद है जिसकी कीमत करीब 7.3 करोड़ रुपये बताई जाती है। खास बात सिर्फ इसकी कीमत नहीं, बल्कि इसे बनाने का तरीका और इसमें इस्तेमाल होने वाली चीजें भी हैं। यह गद्दा स्वीडन की मशहूर कंपनी हेस्टेंस बनाती है। कंपनी का सबसे महंगा मॉडल ग्रैंड विविडस है, जिसकी कीमत करीब 7.3 करोड़ रुपये बताई गई है। अब सवाल उठता है कि आखिर इस गद्दे में ऐसा क्या है, जो इसकी कीमत को इतना ज्यादा बना देता है? हेस्टेंस की कहानी भी काफी पुरानी है। इस कंपनी की शुरुआत साल 1852 में पेहर एडॉल्फ जानसन ने की थी। खास बात यह है कि इतने साल बीत जाने के बाद भी कंपनी आज उनके परिवार के वंशजों द्वारा ही चलाई जा रही है। आज हेस्टेंस अलग-अलग तरह के गद्दे बनाती है और कंपनी के मुताबिक उसके पास 13 तरह के मैट्रेस हैं। इनमें ग्रैंड विविडस सबसे महंगे मॉडलों में शामिल है। इसे सिर्फ एक गद्दा नहीं, बल्कि हाथ से तैयार किया गया लग्जरी बेड सेट माना जाता है। करोड़ों रुपये की कीमत वाले इस गद्दे को बनाने में भी काफी समय लगता है। आर्किटेक्चरल डाइजेस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रैंड विविडस को पूरी तरह हाथों से तैयार किया जाता है और इसे बनाने में करीब 600 घंटे यानी 25 दिन तक का समय लग सकता है। इसकी सबसे खास बात इसके अंदर इस्तेमाल होने वाली सामग्री है। आम गद्दों में इस्तेमाल होने वाले सिंथेटिक फोम की जगह इसमें घोड़े की पूंछ के बाल, कॉटन, ऊन और फ्लैक्स जैसे प्राकृतिक मटेरियल का इस्तेमाल किया जाता है। अब सवाल उठता है कि आखिर गद्दे में घोड़े के बालों का क्या काम? दरअसल, इन बालों को खास तरीके से प्रोसेस करके घुमावदार छल्लों यानी स्पाइरल का आकार दिया जाता है। इसके बाद ये गद्दे के अंदर छोटे-छोटे नेचुरल स्प्रिंग की तरह काम करते हैं। कंपनी के अनुसार, इससे गद्दे को लचीलापन मिलता है और शरीर को सपोर्ट करने में मदद मिलती है। यही वजह है कि इस गद्दे को तैयार करने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और उसकी कारीगरी इसे आम मैट्रेस से काफी अलग बनाती है। इस गद्दे में इस्तेमाल किए जाने वाले घोड़े के बालों का एक और खास काम बताया जाता है। उनकी संरचना हवा के प्रवाह में मदद करती है, जिससे गद्दे के अंदर नमी जमा होने की संभावना कम होती है। वहीं, कॉटन गद्दे को मजबूती देने में मदद करता है, ऊन इसकी टिकाऊपन के लिए इस्तेमाल की जाती है और फ्लैक्स स्टैटिक इलेक्ट्रिसिटी को कम करने में मदद करता है। इन सभी प्राकृतिक सामग्री और निर्माण प्रक्रिया की वजह से कंपनी इस गद्दे पर 25 साल की वारंटी भी देती है।

अजब-गजब | दुनिया का अजीबोगरीब कब्रिस्तान

जहां एक साथ दफन है 4000 हवाई जहाज, देखना भी नहीं चाहते हैं लोग!

जब भी हम हवाई जहाज को आसमान में उड़ते देखते हैं, तो मन में यही ख्याल आता है कि ये मशीन कितनी शानदार है। हजारों फीट की ऊंचाई पर उड़ते हुए विमान एक शहर से दूसरे शहर तक लोगों को कुछ ही घंटों में पहुंचा देते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जब कोई विमान पुराना हो जाता है या उड़ान भरने के लायक नहीं रहता, तो उसका क्या होता है? जिस तरह हमारी कार, बस, ट्रेन या बाइक एक समय के बाद पुरानी हो जाती है, उसी तरह विमानों की भी एक उम्र होती है। जब कोई विमान इस्तेमाल के लायक नहीं रह जाता, तो उसे हमेशा के लिए खत्म नहीं किया जाता। कई पुराने विमानों को एक ऐसी खास जगह ले जाया जाता है, जहां सैकड़ों नहीं बल्कि हजारों विमान एक साथ खड़े नजर आते हैं। दूर से देखने पर ऐसा लगता है जैसे विमानों का कोई विशाल कब्रिस्तान हो। इसी वजह से ऐसी जगहों को एयरक्राफ्ट ग्रेवयार्ड यानी विमान कब्रिस्तान कहा जाता है। दुनिया में ऐसे कई स्थान हैं, लेकिन अमेरिका का एक एयरक्राफ्ट ग्रेवयार्ड अपनी विशालता के कारण सबसे ज्यादा चर्चा में रहता है।

अमेरिका के एरिजोना में स्थित डेविस-मोंथन एयर फोर्स बेस के पास दुनिया के सबसे बड़े विमान भंडारों में से एक मौजूद है। इसे आमतौर पर 'द बोनयार्ड' के नाम से जाना जाता है। यहां करीब 4000 पुराने और खराब विमान खड़े हैं। इनमें से जिन विमानों की मरम्मत करके दोबारा

इस्तेमाल किए जाने की संभावना होती है, उन्हें ठीक किया जाता है। वहीं, जो विमान पूरी तरह सेवा से बाहर हो चुके हैं, उनके उपयोगी पुर्जे निकाल लिए जाते हैं। इन पुर्जों को दूसरे विमानों की मरम्मत या निर्माण में इस्तेमाल किया जाता है। विमान की बाहरी बॉडी जब किसी काम की नहीं रहती, तो उसे वहीं छोड़ दिया जाता है। इतना ही नहीं, अमेरिकी सरकार ने दूसरे देशों को भी यहां रखे पुराने विमानों और उनके कल-पुर्जों को खरीदने की अनुमति दे रखी है।

किसी विमान के सेवा से बाहर होने के बाद उसे तुरंत कबाड़ में बदल देना हमेशा समझदारी नहीं होती। विमान के इंजन, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, धातु के हिस्से और कई दूसरे उपकरण भविष्य में काम आ सकते हैं। इसी वजह से पुराने विमानों को सुरक्षित तरीके से स्टोर किया जाता है। जिन विमानों में दोबारा इस्तेमाल या मरम्मत की संभावना होती है, उन्हें जरूरत के हिसाब से तैयार किया जा सकता है। वहीं जिन विमानों की हालत ज्यादा खराब होती है, उनके उपयोगी पुर्जे निकाल लिए जाते हैं। इस तरह एक पुराने विमान के कई हिस्से किसी दूसरे विमान या एयरोस्पेस प्रोजेक्ट के काम आ सकते हैं। यानी जो विमान बाहर से कबाड़ नजर आता है, उसके अंदर अब भी काफी कुछ उपयोगी हो सकता है।

विमान की उम्र को सिर्फ सालों में तय नहीं किया जाता। उसकी स्थिति, उड़ान के घंटे, इस्तेमाल का तरीका और रखरखाव भी बेहद महत्वपूर्ण होती है। इसलिए यह कहना सही नहीं होगा कि हर विमान एक तय संख्या के साल बाद अपने आप 'एक्सपायर' हो जाता है। हालांकि, लंबे समय तक इस्तेमाल के बाद विमान की संरचना और दूसरे महत्वपूर्ण हिस्सों की जांच बेहद जरूरी हो जाती है। जब किसी विमान को चलाना आर्थिक या तकनीकी रूप से सही नहीं रहता, या वह सुरक्षा मानकों के मुताबिक सेवा में रखने लायक नहीं रहता, तब उसे रिटायर कर दिया जाता है। इसके बाद विमान को स्टोरेज फैसिलिटी या एयरक्राफ्ट ग्रेवयार्ड में भेजा जा सकता है। एरिजोना के इस विशाल विमान स्टोरेज क्षेत्र की सबसे दिलचस्प बात यह है कि यहां अमेरिकी सैन्य विमानन के इतिहास के कई महत्वपूर्ण विमान भी देखे जा सकते हैं। यहां B-52 बमवर्षक विमान जैसे मशहूर विमान भी मौजूद रहे हैं, जो शीत युद्ध के दौर में अमेरिकी सैन्य ताकत का अहम हिस्सा थे।

पीएम मोदी के नाराज फूफा बयान पर सियासी घमासान

राष्ट्रीय अध्यक्ष बोले- युवा भी लेकर खड़े हैं बीजेपी सरकार की रिपोर्ट कार्ड

» भाजपा पर भड़की कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एसआरसीसी में प्रधानमंत्री मोदी के नाराज फूफा वाले बयान पर सियासर घामसान मच गया है। कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री सरकार की नाकामियों से ध्यान भटकाने के लिए विपक्ष को नए नाम देते हैं। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी और पेपर लीक जैसे युवाओं के जरूरी मुद्दों पर जवाब देने के बजाय पीएम ने केवल राजनीतिक बयानबाजी की।

विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाराज फूफा वाले बयान को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष के लिए नए-नए विशेषण देना उनकी राजनीति का हिस्सा बन गया है। कांग्रेस का कहना है कि प्रधानमंत्री ऐसे बयानों के जरिए सरकार की नाकामियों से ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शताब्दी समारोह में पीएम मोदी के भाषण को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि एसआरसीसी का कार्यक्रम देश के युवाओं, शिक्षा और उनके भविष्य पर चर्चा करने का मौका था, लेकिन प्रधानमंत्री का भाषण एक बार फिर राजनीतिक अभियान में बदल गया। खरगे ने आरोप लगाया कि युवाओं के सवालों का जवाब देने के बजाय प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधने के लिए नए राजनीतिक विशेषणों का इस्तेमाल किया।

नाराज फूफा से अर्बन नक्सल तक का जिक्र

मल्लिकार्जुन खरगे ने अपनी पोस्ट में प्रधानमंत्री की कथित मोडस ऑपरेंडी पर भी हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लोकतंत्र में सवालों को दबाने और विपक्ष के लिए नए-नए नाम गढ़ने की राजनीति करती है। इस दौरान खरगे ने नाराज फूफा, दिमागी नक्सल, अर्बन नक्सल, खान मार्केट गैंग, आंदोलनजीवी और परजीवी जैसे शब्दों का जिक्र किया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने भाषण के जरिए अपना रिपोर्ट कार्ड दिखाया है, लेकिन देश के युवा भी अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर खड़े हैं। खरगे ने सवाल उठाया कि युवाओं के इन मुद्दों और सवालों पर सरकार की ओर से क्या जवाब दिया जा रहा है। इस बयान के बाद पीएम मोदी के भाषण को लेकर बीजेपी और कांग्रेस के बीच सियासी बयानबाजी और तेज होने के आसार हैं।

विशेषण बदलते हैं, नीतियां नहीं

खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों और कथित जनविरोधी मुद्दों में बदलाव नहीं आया है, लेकिन विपक्ष के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले शब्द हर साल बदल जाते हैं। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं के सामने बेरोजगारी, लंबे समय से अटकी सरकारी भर्तियां, पेपर लीक, महंगी होती शिक्षा, छात्रवृत्ति के घटते अवसर और विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता जैसे कई सवाल हैं।

महाराष्ट्र के नासिक में आदिवासी छात्र भूख हड़ताल पर, कांग्रेस ने घेरा

महाराष्ट्र के नासिक में आदिवासी छात्रों का विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। सरकारी सहायता प्राप्त आश्रम स्कूलों की खराब स्थिति, छात्रों की सुरक्षा और मौतों के मुद्दे को लेकर 100 से ज्यादा छात्र नासिक के ईदगाह मैदान में आंदोलन कर रहे हैं। इनमें कई छात्र अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर भी बैठे हैं। छात्रों का आरोप है कि आदिवासी आवासीय स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को जरूरी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्था और दूसरी बुनियादी सुविधाओं की स्थिति भी ठीक नहीं है। प्रदर्शनकारी छात्रों की मांग है कि सरकार उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए तुरंत जरूरी कदम उठाए। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर छात्रों के प्रदर्शन को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में हजारों छात्र शांतिपूर्ण तरीके से सड़कों पर उतरकर अपनी आवाज उठा रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि यह मामला सिर्फ किसी एक परीक्षा या भर्ती से जुड़ा नहीं है, बल्कि छात्रों का व्यवस्था पर भरोसा टूटने से जुड़ा है। उन्होंने पेपर लीक, रुकी हुई भर्तियों, महंगी शिक्षा, छात्रावासों की खराब स्थिति और अन्य समस्याओं का जिक्र करते हुए सरकार से छात्रों की आवाज सुनने की अपील की। उन्होंने कहा कि अपने बेहतर और उज्ज्वल भविष्य के लिए छात्रों की मांगें जायज हैं और सरकार को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। राहुल गांधी ने चेतावनी दी कि अगर छात्रों की बात नहीं सुनी गई तो उनका आंदोलन और तेज हो सकता है। छात्रों के इस आंदोलन को राजनीतिक समर्थन भी मिल रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अलावा शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे और कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने भी छात्रों की मांगों का समर्थन किया है। फिलहाल प्रदर्शनकारी छात्र अपनी मांगों पर सरकार की ओर से तत्काल कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं। आंदोलन के चलते महाराष्ट्र सरकार पर छात्रों की समस्याओं को लेकर दबाव बढ़ता जा रहा है।

आरएसएस स्कूल खोलेगा तो टीचर कहां से लाएगा : राउत

» भाजपा की सरकारें स्कूलों के मामले में पूरी तरह से फेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) नेता और सांसद संजय राउत ने आरएसएस के शिक्षा संगठन विद्या भारती द्वारा स्कूल खोलने और शिक्षा को लेकर दिए गए बयान पर प्रतिक्रि या दी है। उन्होंने कहा, क्या आरएसएस स्कूल खोलेगा? वे टीचर कहां से लाएंगे? क्या भागवत जी अमेरिका और इंग्लैंड गए हैं ताकि आप वहां इंटरनेशनल स्कूल खोलने के लिए टीचर भेज सकें? क्या वहां सरकारी स्कूल नहीं खुल रहे हैं? यह आरएसएस का काम नहीं है, यह केंद्र सरकार और राज्य सरकार का काम है।

संजय राउत ने आगे कहा, चूंकि राज्य सरकार और केंद्र सरकार शिक्षा और स्कूलों के मामले में पूरी तरह से फेल हो गई हैं, इसलिए आरएसएस बंगाल से अपना सिलेबस और एजुकेशन सिस्टम शुरू कर रहा है तो, बंगाल में कई चीजें पहले ही हो चुकी हैं। आरएसएस को अब थोड़ी स्टडी करने की जरूरत है। यह आरएसएस का काम नहीं है। यह किसी और का भी काम नहीं है। यह सरकार का काम है। यहां बता दें कि पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने घोषणा की थी कि राजस्य में विद्या भारती से जुड़े कम से कम एक हजार स्कूल खोलने का लक्ष्य रखा गया है।

महिलाओं के अपमान पर कानून करेगा सीधा हिसाब : विजय

» स्टालिन जूनियर के गंदे बोल पर भड़के सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। विधानसभा में स्टालिन जूनियर का नाम लिए बिना विजय ने कहा, अभिव्यक्ति की आजादी - इसका इस्तेमाल कैसे किया जा रहा है, इस पर हमें आत्म-मंथन करना चाहिए। साथ ही, हमारे लोगों या महिलाओं के बारे में अपमानजनक तरीके से बात करना, ऐसा नहीं होना चाहिए।

अभिनेत्री तृषा कृष्णन पर विपक्ष के नेता व डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन की कथित दोहरे अर्थ वाली टिप्पणी को लेकर तमिलनाडु की राजनीति में भूचाल आ गया है। इस पूरे विवाद के बीच राज्य के मुख्यमंत्री विजय ने सोमवार को विधानसभा में बिना नाम लिए उदयनिधि स्टालिन पर तीखा हमला बोला और स्पष्ट चेतावनी दी कि महिलाओं का अपमान करने वालों को कानून बख्शेगा नहीं। विधानसभा में स्टालिन जूनियर का नाम लिए बिना विजय ने कहा, अभिव्यक्ति की आजादी - इसका इस्तेमाल कैसे किया जा रहा है, इस पर हमें आत्म-मंथन करना चाहिए। साथ ही, हमारे लोगों या महिलाओं के बारे में अपमानजनक तरीके से बात करना, ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, लोग देख रहे हैं कि कुछ लोग दोहरे अर्थ वाली बातें कर रहे हैं। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि हम सभी के घरों में बहनें और माताएं हैं... इसलिए अगर महिलाओं का अपमान होता है, तो कानून अपनी कार्रवाई करेगा। विजय की यह टिप्पणी उदयनिधि स्टालिन की गिरफ्तारी और बाद में दोहरे अर्थ वाली टिप्पणियों से जुड़े मामले में स्टेशन बेल पर रिहाई के कुछ हफ्ते बाद आई है। इन टिप्पणियों का मतलब व्यापक रूप से त्रिशा की ओर इशारा माना गया था, जो विजय की करीबी दोस्त हैं। यह विवाद 3 अगस्त को तंजावुर में कावेरी मुद्दे पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान शुरू हुआ, जब उदयनिधि स्टालिन के भाषण के समय समर्थकों ने त्रिशा का नाम लिया।

पुलिस का काम सिर्फ गिरफ्तारी करना नहीं है

विजय ने कहा कि विकास के लिए कानून-व्यवस्था बनाए रखना ज़रूरी है और पुलिस का काम सिर्फ़ आरोपियों को गिरफ़्तार करने तक सीमित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, विकास तभी शुरू होता है जब कानून-व्यवस्था ठीक से बनी रहे। इसलिए, पुलिस फ़ोर्स सिर्फ़ अपराधियों को गिरफ़्तार करने के लिए नहीं है, बल्कि यह राज्य के विकास की नींव भी है। विजय ने आगे कहा, जो लोग कानून का पालन करते हैं, उनके लिए पुलिस दोस्त है और जो नहीं करते, उनके लिए दुश्मन। उन्होंने कहा कि नेताओं और अधिकारियों को पुलिस के मामलों में दखल नहीं देना चाहिए।

मेरठ मावरिक्स बना यूपी टी-20 लीग चैंपियन

» दिव्यांश के शतक से फाइनल में लखनऊ फॉल्कंस को 94 रनों से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । सलामी बल्लेबाज दिव्यांश जोशी की रिकॉर्ड तोड़ शतकीय पारी (40 गेंदों पर 12 चौके और सात छक्कों की मदद से 105 रन) की बदौलत मेरठ मावरिक्स ने यूपी टी-20 लीग का खिताब दूसरी बार जीता। टीम ने एकतरफा फाइनल में लखनऊ फॉल्कंस को 94 रनों से हराकर यह सफलता हासिल की। मेरठ के 203 रन के जवाब में लखनऊ की टीम 16वें ओवर में 109 रन बनाकर आउट हो गई।

विजेता टीम से प्लेयर ऑफ द मैच दिव्यांश के ताबड़तोड़ शतक के अलावा बाएं हाथ के स्पिनर विशाल चौधरी ने 24 रन देकर चार विकेट अपनी झोली में डाले। इकाना स्टेडियम में खेले गए फाइनल में 204 रनों के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की पारी शुरुआत में ही लड़खड़ा गई। 12 रन के योग पर टीम ने शीर्षक्रम के दो बल्लेबाज खो दिए। यहां से टीम उबर न सकी और 109 रनों पर सिमट गई। मध्यक्रम से अजीत वर्मा (39) सर्वोच्च स्कोरर रहे, जबकि कृतज्ञ सिंह ने 21 रनों का योगदान दिया। मेरठ की ओर से विशाल के अलावा जीशान अंसारी ने 12 रन देकर दो विकेट झटके।

इससे पहले पिछले मुकाबलों के इतर लीग के फाइनल में मेरठ के कप्तान रिंकू सिंह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। स्वास्तिक ने दिव्यांश के साथ आतिशी शुरुआत करते हुए 4.3 ओवर में 53 रन जोड़े। स्वास्तिक 18 रन बनाकर विप्रज निगम की गेंद पर बोल्ड हुए। दूसरे छोर पर दिव्यांश ने मोर्चा संभाला और ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 18 गेंदों पर छह चौके और चार छक्कों की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया।

उधर, दूसरे छोर पर विकेटों का पतन जारी रहा लेकिन इसका दिव्यांश की बल्लेबाजी पर कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने हुए 37 गेंदों 11 चौके और सात छक्कों की मदद से अपना शतक पूरा किया। यह लीग के इतिहास का सबसे तेज शतक रहा। वह 105 रन पर रिटायर्ड आउट हुए। मेरठ ने सात विकेट खोकर 203 रन का विशाल स्कोर बनाया। लखनऊ की ओर से अभिनंदन सिंह ने 40 रन देकर तीन विकेट चटकाए, जबकि भुवनेश्वर, विप्रज और अजीत वर्मा को एक-एक विकेट लिया।

राजस्थान में बेनीवाल के साथ मिलकर बनाएंगे मजबूत तीसरा विकल्प : आवैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेगूसराय । जयपुर में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को राजस्थान की राजनीति को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस दोनों पर निशाना साधते हुए कहा कि राजस्थान को एक मजबूत तीसरे राजनीतिक विकल्प की जरूरत है। ओवैसी ने कहा कि एआईएमआई और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रमुख हनुमान बेनीवाल के बीच गठबंधन सिर्फ स्थानीय निकाय चुनावों तक सीमित नहीं रहेगा। उन्होंने संकेत दिया कि आगामी राजस्थान विधानसभा चुनाव में दोनों दल मिलकर चुनावी मैदान में उतर सकते हैं और सांप्रदायिक ताकतों का मुकाबला करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यह गठजोड़ संभवत: उप्र विधा चुनाव तक भी आगे बढ़ सकता है। ओवैसी ने कहा कि वह पहले ही बता चुके हैं कि एआईएमआईएम और हनुमान बेनीवाल की आरएसपी पार्टी ने गठबंधन किया है। उन्होंने कांग्रेस और भाजपा के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह गठबंधन केवल स्थानीय निकाय चुनावों तक सीमित नहीं रहेगा।

सदर में भाजपा के विकास के दावों की खुली पोल

क्षितिजकांत

बेबाक बोल जनता खोल रही पोल

मुजफ्फरनगर सदर विस की ग्राउंड रिपोर्ट

» मुजफ्फरनगर सदर विधानसभा, रेलवे स्टेशन रोड का जाना हाल

» जनता बोली - 2027 अब अखिलेश चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुजफ्फरनगर। सदर विधानसभा के सबसे व्यस्त इलाके रेलवे स्टेशन रोड पर की टीम ने ग्राउंड रिपोर्ट की तो सरकार के सबका साथ-सबका विकास, स्वच्छ भारत और महंगाई मुक्त भारत के सारे दावे धराशायी होते नजर आए।

जलभराव, कूड़े के पहाड़, महंगाई और बेरोजगारी से त्रस्त जनता का गुस्सा सातवें आसमान पर है। चार अलग-अलग लोगों ने चार बड़े हमले बोले। रेलवे स्टेशन रोड की इस ग्राउंड रिपोर्ट से साफ है कि मुजफ्फरनगर सदर की जनता अब विकास के झूठे दावों, गंदगी, जलभराव और महंगाई से ऊब चुकी है। लोगों का साफ कहना है - अब बदलाव चाहिए और 27 में साइकिल ही चलेगी।

यहां सिर्फ मच्छरों का साथ है : राजेंद्र भगत सिंह

स्थानीय निवासी राजेंद्र भगत सिंह ने कहा, जल भराव की काफी समस्या होती है, जाम बहुत रहता है, गंदगी बहुत रहती है। सरकार बात करती है सबका साथ सबका विकास की लेकिन सारे विकास के दावे ध्वस्त हैं। यहां पर सिर्फ मच्छरों का साथ है, बीमारियां पनप रही हैं। सरकार जो कहती है वह करती नहीं है, इसलिए हम भाजपा के साथ नहीं हैं।

स्वच्छ भारत की धज्जियां उड़ गईं सिर्फ बुलडोजर चलता है : दीपक शर्मा

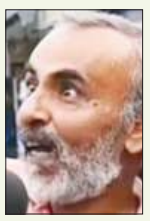

दूसरे निवासी दीपक शर्मा ने डबल इंजन सरकार को घेरा। उन्होंने कहा, नगर पालिका की गाड़ियां तो चलती हैं, भाजपा की डबल इंजन की सरकार है लेकिन जो स्वच्छ भारत के दावे हैं आपको खुद देख लीजिए कि कितना कूड़ा-गंदगी है। नगर पालिका की गाड़ी आती है लेकिन सफाई नहीं होती, कूड़ा नहीं उठाती। इस सरकार में सिर्फ बुलडोजर ही चलता है। उन्होंने आगे कहा, टैक्स ले रहे हैं लेकिन सफाई नहीं करवानी है। टैक्स लेना है लेकिन कुछ देना नहीं है और मांग लो तो देशद्रोही बन जाओ, कहते हैं तुम इस देश के निवासी ही नहीं हो। हम तो बर्बाद हो गए हैं।

स्वच्छ भारत अभियान की तो पूरी धज्जियां उड़ गई हैं। अगर बारिश हो जाए तो आप खड़े भी नहीं हो पाएंगे, घुटनों तक पानी भर जाता है और बदबू ऐसी कि आदमी सांस भी नहीं ले पाता। भाजपा तो दावे बड़े कर रही है लेकिन 27 के विधानसभा चुनाव में इनका सफाया होगा।

चीनी इतनी महंगी कि चाय हटा दी, फ्री राशन ने भिखारी बना दिया : सुमित चौहान

महंगाई से टूटे सुमित चौहान ने कहा, मैं मुजफ्फरनगर का निवासी हूं लेकिन महंगाई से परेशान हूं। चीनी इतनी महंगी हो गई कि नाश्ते से चाय ही हटा दी। हमें सरकार ने कुछ नहीं दिया। रोटी खाएगा मजदूर आदमी यदि काम करेगा तो एक रोटी खाएगा, इनको राशन से कोई लाभ नहीं। उन्होंने कांग्रेस और सपा की तुलना करते हुए कहा, कांग्रेस तो 12 किलो गेहूं दे रही थी और 8 किलो चावल दे रही थी मात्र 48 रुपए में, फ्री नहीं दिया लेकिन रोजगार के अवसर दिए। इस सरकार में फ्री राशन मिला लेकिन लोगों का रोजगार छिन गया, एकदम भिखारी बना दिया। आप बस देखते रहिए, महंगाई रोक नहीं पा रही सरकार। मैं अखिलेश चाहता हूं क्योंकि वह आएंगे तो बेरोजगारी खत्म होगी।

100 लीटर पेट्रोल, 70 किलो चीनी मिले फिर भी भाजपा चाहिए अंधभक्तों ने मिडिल क्लास को बर्बाद कर दिया : ठेकेदार दीपक

ठेकेदारी करने वाले दीपक ने सबसे आक्रामक बयान दिया। मैं ठेकेदारी का काम करता हूं, जब तक अंधभक्त रहेंगे तब तक हम ऐसे ही परेशान होते रहेंगे। अंधभक्त कहते हैं हमें 100 प्रति लीटर पेट्रोल मिले फिर भी भाजपा चाहिए, चीनी चाहे 70 किलो मिले फिर भी भाजपा सरकार चाहिए। उन्होंने कहा, हमें समाजवादी पार्टी की सरकार चाहिए, योगी आदित्यनाथ को दिल्ली भेज दो। अखिलेश यादव का आगरा एक्सप्रेसवे देख लो, उस पर जहाज चला कर दिखा दिया। एजुकेशन में देख लो अखिलेश जी ने बहुत काम किया है। हाल ही में भाजपा का बनाया हुआ कानपुर एक्सप्रेसवे देख लो, पंखे से सुखा रहे थे। सौ बात की एक बात है, जब तक अंधभक्त रहेंगे हम जैसे मिडिल क्लास लोग ऐसे ही परेशान होते रहेंगे।

सदर विधानसभा सीट पर एक नजर

मुजफ्फरनगर सदर विधानसभा सीट उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में से एक है, जिसका निर्वाचन क्षेत्र संख्या 14 है। यह मुजफ्फरनगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। मौजूदा विधायक- भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कपिल देव अग्रवाल यहां के वर्तमान विधायक हैं। उन्होंने 22 के विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के उम्मीदवार को हराया था। इस विधानसभा क्षेत्र में पहला चुनाव 1951 में परिसीमन आदेश (डीपीएसीओ-1951) पारित होने के बाद हुआ था। 2008 में, संसदीय और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन आदेश, 2008 के पारित होने के बाद, इस निर्वाचन क्षेत्र को पहचान संख्या 14 आवंटित की गई थी।

सिर्फ एक बार जीता मुस्लिम उम्मीदवार

सिर्फ एक बार जीता मुस्लिम उम्मीदवार मुजफ्फरनगर सदर सीट पर भले ही मुस्लिम मतदाता बहुतायत में हों, पर यह भी उतना ही सच है कि यहां से सिर्फ एक बार ही मुस्लिम उम्मीदवार जीतकर विधानसभा पहुंचा। बीकेडी के टिकट पर 1969 में सईद मुर्तजा ने सदर विधानसभा सीट से जीत हासिल की थी। हालांकि, इस बार प्रमुख दलों ने कोई मुस्लिम प्रत्याशी नहीं उतारा है।

वोटों का गणित

मुस्लिम 1.25 लाख वैश्य 70 हजार पाल 28 हजार पंजाबी-सिख 25 हजार जाट 25 हजार दलित 22 हजार ब्राह्मण-त्यागी 24 हजार 2017 का परिणाम कपिल देव अग्रवाल, भाजपा 97,838 गौरव स्वरूप, सपा 87,134 राकेश शर्मा, बसपा 21,038 पायल माहेश्वरी, रालोद 5640।

भारत जोड़ो यात्रा ने देश में नयी उम्मीद जगाई और नया संकल्प पैदा किया: जयराम रमेश

» कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा के चार साल पूरे होने पर दी बधाई

» पार्टी बोली- ये देश की समकालीन राजनीति में एक परिवर्तनकारी घटना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा के सोमवार को चार साल पूरे होने पर इसे देश की समकालीन राजनीति में एक परिवर्तनकारी घटना करार दिया और कहा कि इस पदयात्रा ने देश में नयी उम्मीद जगाई और नया संकल्प पैदा किया।

पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सात सितंबर, 22 को भारत जोड़ो यात्रा शुरू की थी। उनकी करीब चार हजार किलोमीटर लंबी पदयात्रा का समापन 30 जनवरी, 23 को श्रीनगर में हुआ था। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के चार साल पूरे होने पर उस ''निर्णायक मोड़'' को याद किया जा रहा है, जिसने देश में नयी उम्मीद, नयी ऊर्जा और नया संकल्प पैदा किया। रमेश ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली गई यह ऐतिहासिक पदयात्रा कन्याकुमारी से शुरू होकर 145 दिन में 12 राज्य और दो केंद्रशासित प्रदेश से गुजरते हुए चार हजार 80 किलोमीटर की दूरी तय कर श्रीनगर में एक रैली के साथ संपन्न हुई थी। उन्होंने कहा कि यात्रा शुरू करने से पहले राहुल गांधी ने कन्याकुमारी स्थित विवेकानंद स्मारक का दौरा किया था और उनके साथ करीब 120 अन्य 'भारत यात्री' भी इस यात्रा में शामिल हुए थे।

लाखों भारतीयों ने पदयात्रा को समर्थन और सहयोग दिया था

कांग्रेस महासचिव के अनुसार, आर्थिक असमानताओं के बढ़ने, सामाजिक ध्रुवीकरण और ''बढ़ते राजनीतिक अधिनायकवाद'' से चिंतित लाखों भारतीयों ने इस पदयात्रा को समर्थन और सहयोग दिया। उन्होंने कहा कि पदयात्रा का मूल उद्देश्य संवैधानिक सिद्धांतों, प्रावधानों, परंपराओं और प्रक्रियाओं पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जन ता पार्टी (भाजपा) के ''व्यवस्थित हमले'' को वैचारिक चुनौती देना था। रमेश ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य ''मन की बात'' करना नहीं, बल्कि ''जनता की चिंता'' सुनना था।

टीएमसी सांसद नदीमुल हक के ठिकानों पर इडी का छापा

» कोलकाता, दिल्ली और रांची में 7 जगहों पर छापेमारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) ने सोमवार को दिल्ली, पश्चिम बंगाल और झारखंड में सात जगहों पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज्यसभा सांसद मोहम्मद नदीमुल हक से जुड़ी जगहों पर तलाशी ली। यह कार्रवाई टीएमसी सांसद द्वारा प्रमोट किए गए उर्दू दैनिक अखबार-ए-मशरिक के खिलाफ कथित मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में की गई।

56 वर्षीय हक, जो एक पत्रकार और व्यवसायी भी हैं, उस कंपनी (अखबार-ए-मशरिक प्राइवेट लिमिटेड) के डायरेक्टर हैं जो अखबार-ए-मशरिक नाम का दैनिक अखबार निकालती है। इडी के कोलकाता ज़ोनल ऑफ़िस की टीम ने कोलकाता, दिल्ली और रांची में सात जगहों पर तलाशी ली। कोलकाता में पार्क सर्कस के दरगाह रोड पर अखबार-ए-मशरिक के ऑफ़िस में तलाशी ली गई। ऑपरेशन के दौरान केंद्रीय सुरक्षा बलों ने ऑफ़िस की बिल्डिंग को चारों तरफ़ से घेर लिया था। सुरक्षा के लिहाज़ से मुख्य दरवाज़ा बंद कर दिया गया था, ताकि तलाशी के दौरान कोई अंदर न आ सके और न ही बाहर जा सके। दिल्ली में सांसद के सरकारी आवास पर भी छापेमारी चल रही है, जो टीएमसी का अस्थायी ऑफ़िस भी है। सुरक्षा बलों और संबंधित राज्य पुलिस बलों के साथ मिलकर, टीएमसी सांसद के आवास और अख़बार के ऑफ़िस समेत कई जगहों पर सोमवार सुबह तलाशी अभियान शुरू किया गया।

सहारनपुर जा रहे अजय राय को लखनऊ पुलिस ने हिरासत में लिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सहारनपुर में प्राचीन मस्जिद तोड़े जाने के बाद सहारनपुर जा रहे यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को लखनऊ में पुलिस ने हिरासत में ले लिया। उनको पुलिस लाइन ले जाया गया।

सहारनपुर में मस्जिद पर चले बुलडोजर को लेकर विपक्षी दलों में खास नाराजगी देखी जा रही है। अजय राय कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के साथ सहारनपुर जा रहे थे। पार्टी मुख्यालय से पुलिस ने उनको हिरासत में ले लिया।

इस दौरान कांग्रेस मुख्यालय के बाहर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जमा हो गए। पुलिस जब अजय राय को अपने साथ लेकर जाने की कोशिश करने लगी तो लोग विरोध करने लगे। पुलिसकर्मियों ने अजय राय को जबरन गाड़ी मे बैठाया और वहां से चले गए।

बागपत में दर्दनाक हादसा: कैंटर की टक्कर से 5 की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद में ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर रविवार व सोमवार की देर बड़ा दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बड़ा गांव टोल के पास तेज रफ्तार कैंटर ने श्रद्धालुओं से भरी पिकअप में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही पिकअप अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई और पलट गई।

हादसे में पांच श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए। पिकअप में लगभग 28 से 30 लोगों के बीच सवार थे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया पुलिस ने राहगीरों की मदद से पिकअप में फंसे घायलों को बाहर निकलवाया। सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेकड़ा और जिला अस्पताल बागपत पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने घायलों का उपचार शुरू किया, गंभीर रूप से घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद आवश्यक उपचार दिया गया।

श्रद्धालु विपिन कुमार ने बताया कि सभी लोग राजस्थान के बागड़ से दर्शन कर वापस चेतू नंगला, जिला बदायूं लौट रहे थे. इसी दौरान बड़ा गांव टोल के पास हादसा हो गया। अचानक हुई टक्कर से पिकअप पलट गई और कई श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे में 20 से अधिक घायल

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा